

चार दिन में सोना-चांदी ऑल टाइम हाई

ग्लोबल टेंशन का असर-सोना-चांदी बेकाबू रफ्तार
29 दिन में सोना 43 हजार महंगा, चांदी 1.55 लाख ऊपर

नई दिल्ली, 29 जनवरी. सोना और चांदी लगातार चौथे दिन ऐसी रफ्तार से भागे हैं कि बाजार के आम लोग पूरी तरह से हैरान रह गए. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 29 जनवरी को 24 कैंट सोना एक ही दिन में 11,486 बढ़कर 1,76,121 प्रति 10 ग्राम पहुंच गया. वहीं चांदी 27,666 उछलकर 3,85,933 प्रति किग्रा हो गई. सिर्फ तीन दिनों में सोना 21,811 और चांदी 68,228 महंगी हो चुकी है.



सोने-चांदी की बढ़ती कीमतों का मुद्दा उठा राज्यसभा में

देश में सोने और चांदी की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि का मुद्दा आज राज्यसभा में उठा और सरकार से हस्तक्षेप कर लोगों को राहत पहुंचाने की मांग की गई. कांग्रेस के नीरज डंगी ने गुरुवार को शून्य काल के दौरान सदन में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश में सोने चांदी की कीमतों में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है और आशंका, डॉलर के मुकाबले रुपये की रिकॉर्ड गिरावट और दुनिया

‘सेफ हेवन’ की होड़ साफ दिखाई दे रही है. सोना और चांदी इस समय सिर्फ कीमती धातु नहीं, बल्कि वैश्विक अनिश्चितता के दौर में सबसे भरोसेमंद निवेश के प्रतीक बन गए हैं. आईबीजे के ताजा आंकड़े बताते हैं कि 23 जनवरी को 1,54,310 प्रति 10 ग्राम रहा सोना अब 1,76,121 प्रति पहुंच चुका है. इसी तरह 3,17,705 प्रति किलो रही चांदी अब 3,85,933 पर है. यह उछल सामान्य बाजार चाल नहीं, बल्कि असाधारण परिस्थितियों का संकेत है. सबसे बड़ा कारण वैश्विक तनाव है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ग्रीनलैंड को लेकर दिए गए बयानों और यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी ने ट्रेड वॉर की आशंका बढ़ा दी है.

नेशनल एसेट ने तीन दिवाला खातों में लाभ दिया



नई दिल्ली, 29 जनवरी. नेशनल एसेट रिकॉस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड ने तीन अधिग्रहीत दिवाला कंपनियों के खातों में माध्यम से अब लाभ का वितरण शुरू कर दिया है और सरकार की पूरी प्रतिभूति चुकता कर दी है. यह जानकारी वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू की अध्यक्षता में कंपनी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ बैठक में दी गयी. बैठक को बताया गया कि एनएआरसीएल द्वारा अधिग्रहित खातों की संख्या 29 से बढ़कर 30 हो गई है, जिससे कुल अधिग्रहित ऋण जोखिम का आंकड़ा लगभग 1.63 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. ऐसे खातों की पहचान भी की गई है जो वर्तमान पाइपलाइन में हैं, जिनसे अधिग्रहण का कुल आंकड़ा दो लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच सकता है. वित्त मंत्रालय की गुरुवार को जारी एक विज्ञापन के अनुसार चालू वित्त

वर्ष की चौथी तिमाही की इस पहली बैठक में आगामी तिमाही की आकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ तीसरी तिमाही के प्रदर्शन पर चर्चा की गई. विज्ञापन के अनुसार गत आठ अक्टूबर को इससे पिछली तिमाही की समीक्षा के बाद से एनएआरसीएल वसुली में लगभग 1,439 करोड़ रुपये की शुद्ध वृद्धि हुई है और कुल वसुली 5,496 करोड़ रुपये तक पहुंच गयी है. इस वसुली पूंजी में 4,803 करोड़ रुपये की प्रतिभूति की रसीद (एसआर) के आधार पर प्राप्त राशियां शामिल हैं. बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि एनएआरसीएल ने तीन खातों में प्रतिभूतियों से जुटाई गयी 100 प्रतिशत सिन्डिकेट रिफाइनर्स (एसआर) का पैसा प्राप्त कर लिया गया है और इसमें लाभ का अतिरिक्त हिस्सा ऋणदाताओं को वितरित कर दिया गया है. बैठक में उन तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया जिनसे अधिग्रहण की प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम किया जा सके. विभेदक सुरक्षा संरचनाओं, अतिरिक्त गिरवी और मूल्यांकन पर असहमति के कारण ऋणदाताओं से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई, जिनकी वजह से अधिग्रहण में अधिक समय लगता है.

सचिव, डीएफएस ने इस बात पर जोर दिया कि अधिग्रहण प्रक्रिया में होने वाली देरी को कम करने के लिए ऋणदाताओं और एनएआरसीएल दोनों को अत्यंत हितधारकों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि ऋणदाताओं को संयुक्त ऋणदाता बैठक (जेएलएम) में लिए गए निर्णयों पर टिके रहने के धर्म का पालन करना चाहिए. समाधान के मोर्चे पर हड़त प्रतिक्रिया करते हुए उन्होंने कहा कि अधिग्रहित खातों की वसुली और समाधान के माध्यम से जनता का पैसा वापस लाने की दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है.

समाचार विशेष

बिहार कांग्रेस के प्रभारी और अध्यक्ष से नाराजगी

प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के अलावा कांग्रेस का एक भी नेता हवाईअड्डे पर नहीं पहुंचा

पटना. जिस समय भारतीय जनता पार्टी का संगठन पर्व चल रहा था यानी राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव हो रहा था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नितिन कर्चन को कुर्सी पर बैठाया, उनके पीछे खड़े हुए और उससे पहले कहा कि नितिन कर्चन उनके भी बांस हैं और पूरी पार्टी नितिन कर्चन के नाम के नारे लगा रही थी. उसी समय राहुल गांधी द्वारा नियुक्त किए गए बिहार के प्रभारी कृष्णा अल्लवरू पटना पहुंचे. पटना हवाईअड्डे पर उनको रिसीव करने के लिए सिर्फ प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम पहुंचे थे. राजेश राम के साथ भी कोई व्यक्ति नहीं था. कांग्रेस का एक भी नेता हवाईअड्डे पर नहीं पहुंचा.



मोडिया पर फोटो डाली और तंज करते हुए लिखा, 'बिहार चुनाव की अपार सफलता के बाद प्रभारी महोदय पहली बार पटना पहुंचे तो हवाईअड्डे पर प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी दोनों ने एक दूसरे का स्वागत किया'.

बाद में कांग्रेस की टिकट से लोकसभा का चुनाव लड़ चुके एक नेता ने सोशल

मीडिया पर फोटो डाली और तंज करते हुए लिखा, 'बिहार चुनाव की अपार सफलता के बाद प्रभारी महोदय पहली बार पटना पहुंचे तो हवाईअड्डे पर प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी दोनों ने एक दूसरे का स्वागत किया'.

विशेष सियासतदान बिछाने लगे सियासी गोटियां, स्वामी प्रसाद ने अभियान शुरू किया

सपा-भाजपा की जंग के बीच तीसरे मोर्चे की घुसपैट

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी शुरू हो गई है. इस बीच सियासी हवा के झोंके भी आने लगे हैं. सियासतदान गोटियां बिछा रहे हैं. नफा-नुकसान के हिसाब से गोलबंदी हो रही है. इसमें दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों का नया मोर्चा तैयार होने लगा है.

को इकट्ठा कर रहे हैं. आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद चंद्रशेखर खुद को काशीनाम का सियासी वारिस साबित करने में जुटे हैं. वह महारेली के जरिए दलितों को बसपा छोड़ खुद के साथ जुड़ने की अपील कर रहे हैं.



रहे हैं. कांग्रेस ने महारेली शुरू कर दी है तो लोकसभा चुनाव परिणाम से उत्साहित सपा पीडीए पंचायत के जरिए जनता

के बीच उतरी है. आगामी चुनाव के मद्देनजर अभी तक भाजपा और सपा के बीच आमने-सामने की टक्कर मानी जा रही है, लेकिन प्रदेश की सियासत में तीसरा मोर्चा तैयार करने की बेताबी भी साफ दिख रही है. इसके पीछे पिछड़ों, दलितों एवं अल्पसंख्यकों का वोटबैंक हैं. तीसरे मोर्चे को बरसे है कि वह इस वोटबैंक के दम पर सियासी वैतरणी पार कर लेगा.

रुपया 24 पैसे टूटा

मुंबई, 29 जनवरी. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 24 पैसे टूटकर 91.9250 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ. पिछले कारोबारी दिवस पर रुपया 22 पैसे की मजबूती के साथ कारोबार की समाप्ति पर 91.68 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था. रुपये में आज बड़ा उतार-चढ़ाव देखा गया. शुरुआती कारोबार में इसमें तेजी थी. यह 8.50 पैसे की बढ़त में 91.60 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और 91.50 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ. लेकिन विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाली के दबाव में यह 91.9250 रुपये प्रति डॉलर तक टूटकर उसी स्तर पर बंद हुआ. अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों तेजी से भी रुपये पर दबाव रहा.

गिरावट से उबरे शेयर बाजार

निजी बैंक और धातु कंपनियों में आई तेजी
बीएसई का संसेक्स पहुंचा 82,566.37 अंक पर



टाटा स्टील का शेयर लगभग साढ़े चार प्रतिशत चढ़ा

मुंबई, 29 जनवरी. घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को 982 अंक का बड़ा उतार-चढ़ाव देखा गया और शुरुआती गिरावट से उबरकर प्रमुख सूचकांक अंततः हरे निशान में बंद हुए. बीएसई का संसेक्स 221.69 अंक चढ़कर 82,566.37 अंक पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 76.15 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की बढ़त में 25,418.90 अंक पर रहा. संसेक्स 24 अंक की बढ़त के साथ खुला और खुलते ही लाल निशान में चला गया. हालांकि संसद में वित्त वर्ष

निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक और स्मॉलकैप 100 सूचकांकों में 0.20 प्रतिशत की समान मजबूती दर्ज की गयी. धातु, निजी बैंकिंग, रियलटी और तेल एवं गैस क्षेत्रों की कंपनियों में लिवाली का जोर रहा. वहीं, एफएमसीजी, आईटी, ऑटो, फार्मा, सार्वजनिक बैंकों, स्वास्थ्य, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों की कंपनियों में बिकवाली हावी रही. संसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील का शेयर लगभग साढ़े चार प्रतिशत चढ़ गया. एलएंडटी और एक्सिस बैंक में साढ़े तीन प्रतिशत के करीब तेजी रही.

2025-26 का आर्थिक सर्वेक्षण पेश होने के बाद बाजार में तेजी लौट आयी. एक समय यह 637 अंक टूटकर नीचे 81,707.94 अंक तक उतर गया था. बाद में 82,689.96 अंक तक चढ़ा भी.

भारत-ईयू एफटीए की विशेषज्ञों ने की सराहना

इस समझौते को आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों तरह से सही समय पर उठाया गया कदम बताया

नई दिल्ली, 29 जनवरी. भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते के पूर्ण होने पर दुनिया भर में, अंतरराष्ट्रीय मीडिया, विदेशी राजनीतिक नेतृत्व, वैश्विक व्यापार प्रमुखों और सम्मानित नीति विशेषज्ञों ने मजबूत और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं.



इस समझौते को आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों तरह से ऐतिहासिक, रणनीतिक और सही समय पर उठाया गया कदम बताया जा रहा है. दुनिया के प्रमुख मीडिया संस्थानों में भारत-ईयू एफटीए की व्यापकता, महत्वाकांक्षा और रणनीतिक समय का उल्लेख किया है. दे टेलीग्राफ ने जे स क्रिस्प के मोदी इज द रियल विनर इन मदर

अखबार ने बताया कि यह समझौता ईयू से भारत को होने वाले 96.6 प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ को खत्म या कम करता है, जबकि ईयू सात वर्षों में 99.5 प्रतिशत भारतीय सामानों पर टैरिफ कम करेगा.

ब्लूमबर्ग ने डैन स्टूमफे के ऑल रोड्स लीड टू मोदी एज वल्टेड हेजिज ट्रेड शॉर्क से एक लेख में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ मदर ऑफ ऑल डील्ट समझौता एक उभरते हुए पैटर्न का नवीनतम उदाहरण है-भारत देशों के लिए पसंदीदा पार्टनर बन रहा है. द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इसे वैश्विक टैरिफ बाधाओं के प्रति मध्यम शक्तियों की प्रतिक्रिया के रूप में पेश करते हुए लिखा कि कैसे भारत और ईयू अमेरिकी व्यापार नीतियों से पैदा हुई अनिश्चितता के बीच गठबंधन का विस्तार कर रहे हैं.

ऑफ ऑल ट्रेड डील्टस विद ईयू शॉर्क से एक लेख में इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की

बंगलुरु में मल्टी-ब्रांड सर्विस शुरू

बंगलुरु, 29 जनवरी. टोयोटा किलोस्कर सुंदरम ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने गुरुवार को बंगलुरु में अपने पहले मल्टी-ब्रांड रिटेल सर्विस आउटलेट टीएसव सेलेक्ट की शुरुआत की. टोयोटा किलोस्कर सुंदरम ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, किलोस्कर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, त्रिवर सुंदरम संस्थान फेमिली और टोयोटा किलोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड का एक संयुक्त उपक्रम है. यह नई कंपनी भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार की लगातार प्रगति और ग्राहकों की उम्मीदों को देखते हुए स्थापित की गई है.

पराजपे ने वेकोलि में संभाला तकनीकी दायित्व

तीन दशक के खनन अनुभव के साथ निदेशक का पदभार ग्रहण
डॉ. हेमंत शर्मा पांडे ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया



नागपुर, 29 जनवरी. वेकोलि में डॉ. संदीप एस. पराजपे ने निदेशक (तकनीकी) / परियोजना एवं योजना का पदभार ग्रहण किया. पराजपे के वेकोलि आगमन पर वेकोलि के निदेशक (मानव संसाधन) डॉ. हेमंत शर्मा पांडे ने उनका गर्म जोशी से स्वागत किया. श्री पराजपे ने वर्ष 1991 में रामदेवबाबा कमला नेहरू इंजीनियरिंग कॉलेज, नागपुर विश्वविद्यालय से मार्किंग इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की है तथा उन्हें कोयला खनन

क्षेत्र में तीन दशकों से अधिक का समृद्ध एवं व्यापक अनुभव प्राप्त है. पाथारखेड़ा एवं सावनर में 16 वर्षों के भूमिगत खनन अनुभव के साथ-साथ उन्होंने प्रबंधन, भूमि अधिग्रहण, परियोजना क्रियान्वयन, उत्पादन, खान नियोजन, कोयला गुणवत्ता तथा माइन क्लोजर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में गहन विशेषज्ञता अर्जित की है. वेकोलि में निदेशक का दायित्व संभालने से पूर्व कंपनी को महत्वपूर्ण संचालनात्मक एवं रणनीतिक योगदान प्रदान किया.

स्कोप-सीबीसी ने आईएसबी से मिलायी हाथ दीक्षा नेतृत्व क्षमता विकास की अपनी तरह की पहली बड़ी पहल

नई दिल्ली, 29 जनवरी. केंद्रीय लोक उपक्रमों के मंच स्टैंडिंग कॉन्फ्रेंस ऑफ पब्लिक एंटप्राइजेज (स्कोप) और क्षमता निर्माण क्षेत्र पर केंद्र सरकार की एजेंसी कैपेसिटी बिल्डिंग कमीशन (सीबीसी) ने दीक्षा नेतृत्व कार्यक्रम के तहत तीसरे बैठक के प्रशिक्षण के लिए इंडियन स्कोप ऑफ बिजनेस (आईएसबी) के साथ एक कारगर किया है. दीक्षा नेतृत्व कार्यक्रम का

उद्देश्य संस्थाओं में भविष्य की नेतृत्व की तैयारी करना है. स्कोप की बुधवार को जारी स्कोप के डायरेक्टर जनरल अतुल सोबती, सीबीसी के संयुक्त सचिव जगदीश गुप्ता और आईएसबी के डीन प्रोफेसर मदन पिछुटला ने इस करार पर हस्ताक्षर किये. इस अवसर पर सीबीसी की सदस्य डॉ. अलका मित्तल, सीबीसी के पूर्व चेयरमैन आदिल जैनुलभाई और तीनों संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारी

उपस्थित थे. दीक्षा (डेवलपमेंट ऑफ एम्प्लोयमेंट, नॉलेज, स्कैसेशन एंड हार्मनी) नेतृत्व क्षमता विकास की अपनी तरह की पहली बड़ी पहल है जिसे स्कोप और सीबीसी ने मिलकर बनाया है. इसका मकसद सरकारी कार्पोरेट क्षेत्र में उच्च क्षमता के अधिकारियों में, जिनसे बोर्ड लेवल के पदों पर आने की उम्मीद है, उन्नत नेतृत्व क्षमताओं, रणनीतिक सोच और उभरते औद्योगिक परिदृश्य पूरी समझ उत्पन्न करना है.